Total No. of Questions : 5]   [Total No. of Printed Pages : 3

(1108)

UGC (CBCS) Vth Semester (New) Examination

1734

SANSKRIT

(Bhartiya Rangshala)

(AEEC/SEC)

SKT-AEEC-501

Time : 3 Hours]   **[Maximum Marks : { Regular = 70, ICDEOL = 100**

नोट :- सर्वे प्रश्ना समाध्या।

1. (क) निम्नांक्तितानां प्रश्ननामुत्तर मेक पदेन लिखत–

   (i) कथा वस्तु कति विधा ?

   (ii) रूपकस्य प्रमुखानि तत्वानि कति सन्ति ?

   (iii) अभिनयः कति विधः मतः ?

   (iv) सर्वोत्तमं प्रेक्षा ग्रहं किं मतम् ?

   (v) नाट्य शास्त्रस्य कर्त्ता कः ?

   (vi) दश रूपकस्य कः कर्त्ता ?

(vii) काव्येषु किं रम्यम् ?

(viii) नाट्य सन्धयः कति सन्ति ?

(ix) भक्ति रसस्य स्थायिभावः कः ?

(x) भारतीयाः नाट्योत्पत्तिं कस्मात् मन्वन्ते ? 1×10=10

(ख) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।

(i) आंगिक अभिनय का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(ii) वाचिक अभिनय की चर्चा कीजिए।

(iii) नान्दी तथा सूत्रधार पर टिप्पणी लिखिए।

(iv) आधुनिक भारतीय रंगशाला पर टिप्पणी लिखिए।

(v) देवालय रंगमंच पर टिप्पणी लिखिए। 5×4=20

2. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर यथा निर्दिष्ट दीजिए—

(i) नायिका के भेदोपभेदों का वर्णन कीजिए।

(ii) राजदरबारी एवं मुक्त रंगमंच की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

(i) सात्विक अभिनय का परिचय दीजिए।

(ii) नाट्य शास्त्रानुरूप पांच कार्यावस्थाओं पर टिप्पणी लिखिए।
2×5=10

3. वैदिक काल के सन्दर्भ में रंगमंच के उद्भव तथा विकास की चर्चा कीजिए।

अथवा

संस्कृत नाटकों की विशेषताएँ लिखिए। 1×10=10

4. नाटकीय तत्त्व कथावस्तु पर विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

अथवा

नायक के भेदोपभेदों का वर्णन कीजिए। 1×10=10

5. आचार्य भरत के रस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

अथवा

रंगशाला के निर्माण एवं प्रकार का समीक्षात्मक परिचय दीजिए। 1×10=10